बरेली, रविवार
4 सितंबर, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO. 05 : BOTTOM

# एसआरएमएस के दीक्षा समारोह में मेडिकल के 259 छात्रों को उपाधि

जासं, बरेली : . एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज के नौवें दीक्षा समारोह में 259 छात्रों को उपाधि दी गई। मेडिकल और पैरामेडिकल के 34 छात्रों को श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन के लिए ट्राफी के साथ प्रमाण पत्र दिए गए। मेडिकल में परास्नातक, स्नातक के पांच तथा पैरामेडिकल के दो छात्रों को अपने-अपने बैच में ओवरआल टापर रहने पर श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल व 51 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता रुविवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की, जबकि दीक्षांत संबोधन पद्म भूषण डा. बीके राव ने दिया। विशिष्ट अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने छात्रों को अपने प्रोफेशन के दौरान ईमानदारी बरतने का संदेश दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन देवमूर्ति ने छात्रों को मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डा.एसबी गुप्ता ने सभी का स्वागत किया व मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा. आरपी सिंह ने सभी का आभार जताया। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुरेश सुंदरानी, बरेली कालेज के प्राचार्य प्रो. ओपी राय, डा.अनुराग मोहन, डा.वंदना शर्मा, डा.आलोक खरे, प्रवीण कुमार, सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.नसीम अख्तर, मुकुट बिहारी, डा.रिंटू चतुर्वेदी, डीन पीजी डा.पीएल प्रसाद, डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा आदि मौजूद रहीं।

संबोधित करते एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति • जागरण

संबोधित करते अटल विहारी वाजपेयी मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह •

संबोधित करते पद्म भूषण डा.बीके राव•

रुविवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह • जागरण

एसआरएमएस के नौवें दीक्षा समारोह में मिली उपाधि दिखाते छात्र-छात्राएं साथ में मौजूद बाएं से अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विवि के कुलपति प्रो. एके सिंह, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, एमजेपी रुविवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह, पद्मभूषण डा.बीके राव • जागरण

### इन छात्रों को मिली उपाधि

- एमडी/एमएस के 38 छात्र 2020 और 2021 बैच
- एमबीबीएस के 99 छात्र 2021 बैच
- पैरामेडिकल के 88 छात्र 2021 बैच

### चोट सहन करने से ही मिलती है सफलता

अध्यक्षीय संबोधन में रुविवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि डिग्री यूं ही नहीं मिल जाती, इसे हासिल करना पड़ता है। एक ही पत्थर से बनी मंदिर की सीढ़ी और मूर्ति का महत्व अलग-अलग होता है। जो पत्थर चोट बर्दाश्त करने की क्षमता रखता है, वह मूर्ति बन जाता है और जो चोट से बिखर जाता है उसे सीढ़ियों पर जगह मिलती है। आप जितनी ठोकरे सहन करेंगे, उतने ही पूजे जाएंगे। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि यह डिग्री मानवसेवा के प्रति संकल्प है। इसकी मर्यादा बनाए रखें। पद्म भूषण डा. बीके राव ने विद्यार्थियों को माता-पिता और गुरुओं के प्रति जिंदगी भर आभारी रहने का संदेश दिया। उन्होंने कबीर के दोहे का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने गुरु की महिमा का बखान किया है।